Naidunia (Indore),14th August 2024, Naidunia City, Page - I

'क्रापडाक्टर' और 'कृषि सेवा' तैयार

फसलों के स्वास्थ्य की ढाल बनेगी आइआइटी इंदौर की एप्लिकेशन

कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आइआइटी इंदौर ने दो नई मोबाइल एप्लीकेशन तैयार की है। संस्थान ने इन्हें 'कृषि सेवा' और 'क्रापडाक्टर' नाम दिया है। ये एप किसानों को अपनी फसलों का अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में सहायता करने के उद्देश्य से बनाई हैं, जो बीमारियों, कीटों और पोषण संबंधी कमियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। एप पूरी तरह से तैयार हो चुकी है और वर्तमान में यह कापीराइट करने की प्रक्रिया चल रही है।

आइआइटी इंदौर के संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग (सीएसई) की प्रो. अरुणा तिवारी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने 'कृषि सेवा' बनाया है। भोपाल स्थित आइसीएआर-केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान के विज्ञानी डा. शशि रावत ने बताया कि एप्लीकेशन खेती के तरीकों में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। क्रापडाक्टर पर आइआइटी प्रो. अरुणा तिवारी, डा. मिलिंद रत्नपारखे के साथ आइसीएआर-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (इंदौर) के प्रमुख

कृषि सेवा एप में फसलों में लगी बीमारी की पहचान करना बताया।

विज्ञानी अध्ययन करने में लगे हैं।

निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि ये परियोजनाएं भारतीय कृषि में अत्याधुनिक तकनीक को आगे लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी है। कृषि सेवा और क्रापडाक्टर ऐसी मोबाइल एप्लिकेशन हैं जो किसानों को फसल के स्वास्थ्य का निदान और प्रबंधन करने में मदद करने के लिए डिजाइन की गई हैं। कृषि सेवा किसानों को प्रभावित पौधों की तस्वीरें लेने और फसलों के लिए रोगों और कीटों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देती है। क्रापडाक्टर सोयाबीन की फसलों पर ध्यान केंद्रित करता है, रोग और कीट नियंत्रण, मिट्टी प्रबंधन और खेती के तरीकों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है। एप तैयार है और कापीराइट चरण में है।